

वर्तमान शिक्षा विभाग
व महत्वपूर्ण संस्थान

Dr. Mukesh Pancholi

स्वतंत्रता के पश्चात्/वर्तमान में शिक्षा विभाग का स्वरूप (संक्षेप में)

MHRD (Ministry of Human Resource Development)

[Ramesh Pokhriyal 'Nishank']



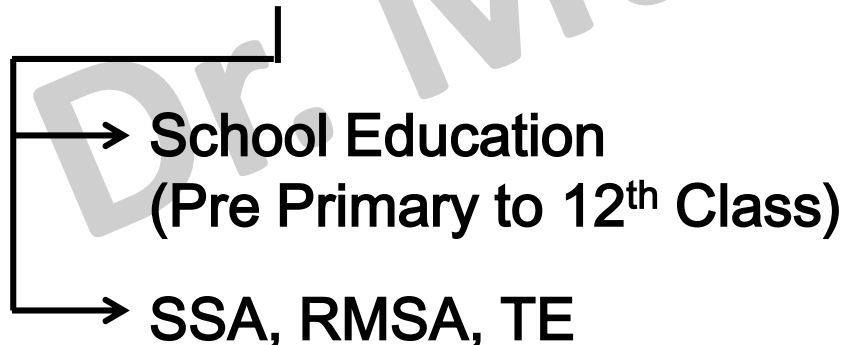
Minister of State for HRD

[श्री संजय शर्मा धोत्रे]

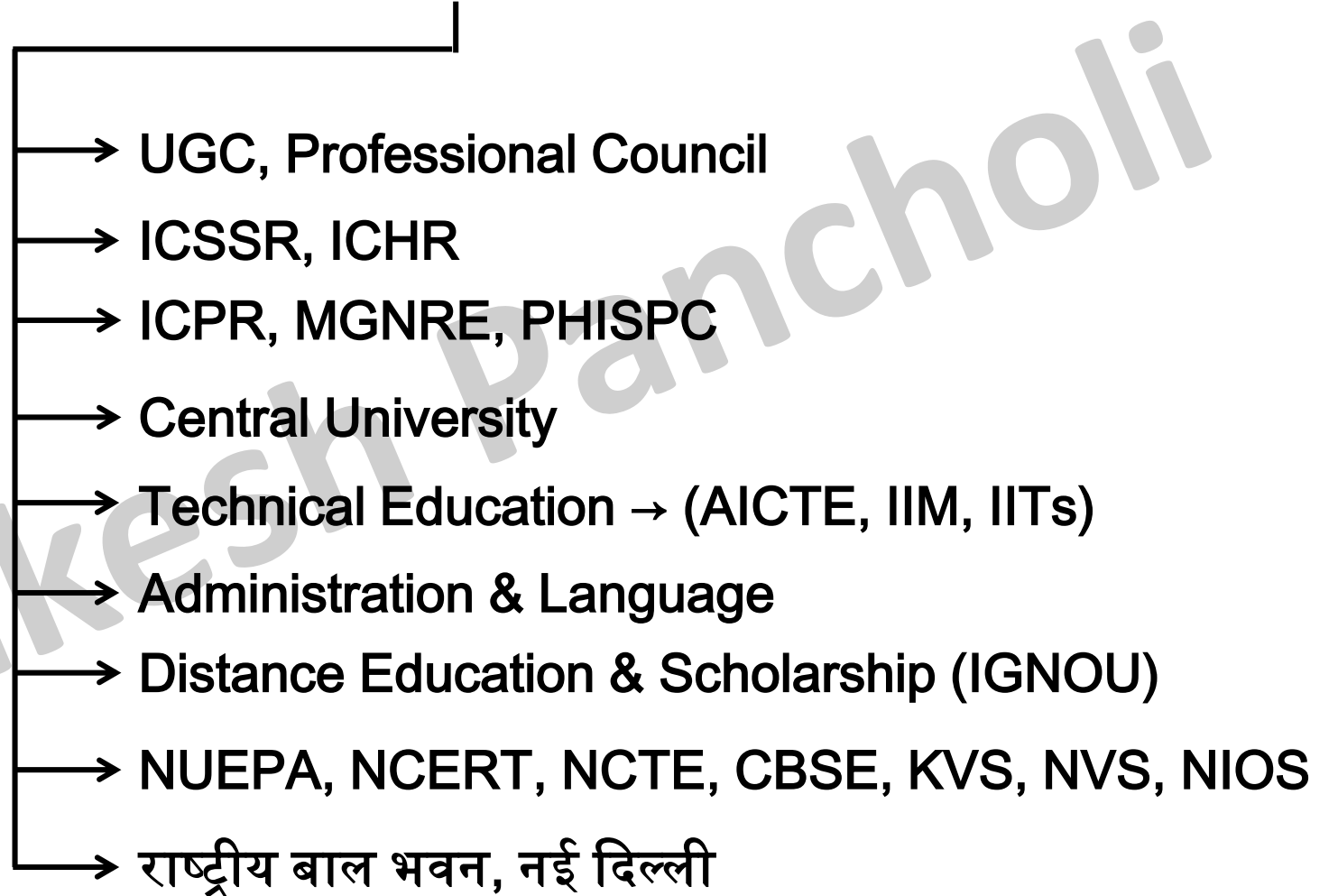


Dept. of School Education & Literacy
[Smt. Anita Karwal, IAS (Sec. {SE&L})]

Dept of H.E.
[Shri अमित खरे, IAS (Secretary)]



Dept of H.E.
[Shri अमित खरे, IAS (Secretary)]



Note → NCERT, CTSA, KVS, CBSE, NCTE, NIOS, NVS, राष्ट्रीय बाल, (तिब्बती स्कूल प्रशासन) भवन सभी स्वायत्त निकाय हैं।

शिक्षा से संबंधित विभिन्न संस्थान

संगठन	पूरा नाम	स्थापना	वर्तमान अध्यक्ष
MHRD	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	1947 (शिक्षा विभाग) नाम परिवर्तन 1985	रमेश पोखरियाल
UGC	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	1953 में(नाम परिवर्तन) 1956 में एक्ट पारित	डी.पी. सिंह
ICSSR	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	1969	प्रो. भूषण पटवर्धन
ICHR	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद्	1972	अरविंद जमखेडकर
ICPR	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्	1972	प्रो. रमेश चंद्र सिंहा
MGNRE	महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्	1995	Dr. W.G. Prasanna Kumar

संगठन	पूरा नाम	स्थापना	वर्तमान अध्यक्ष
PHISPC	भारतीय विज्ञान के इतिहास की परियोजना, दर्शन व संस्कृति	1990	रमेश चंद्र सिंहा
C.U.	केन्द्रीय विश्वविद्यालय	2009 एक्ट	
AICTE	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्	1945	अनिल सहस्रबुद्धि
IGNOU	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय	1985	कुलाधिपति-रामनाथ कोविंद (राष्ट्रपति)
NCERT	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद्	1961	प्रो. कृष्ण कुमार
CBSE	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	1962	मनोज आहुजा
NCTE	राष्ट्रीय अध्यापक परिषद्	1995 1993 एक्ट	डॉ. सतवीर वेदी

स्वतंत्रता के पश्चात् शिक्षा विभाग का स्वरूप
MHRD – मानव संसाधन विकास मंत्रालय –

वर्ष 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ, स्वतंत्रता के बाद शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय में परिवर्तित कर दिया गया। वर्ष 1957 में वैज्ञानिक शोध विभाग भी शिक्षा मंत्रालय से जुड़ गया। वर्ष 1958 में मंत्रालय को दो भागों में बांट दिया –

- शिक्षा मंत्रालय
- वैज्ञानिक अनुसंधान व सांस्कृतिक गतिविधि मंत्रालय

लेकिन 26 सितम्बर, 1985 को भारत सरकार के 174वें (व्यवसाय का आवंटन) नियम, 1961 के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय का नया नामकरण कर 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' कर दिया गया। वर्तमान में MHRD दो विभागों में काम करता है -

- स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग
- उच्च शिक्षा विभाग

स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग देश के स्कूली शिक्षा, वयस्क शिक्षा व साक्षरता जैसे कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार है। भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका व चीन के बाद वैश्विक शिक्षा में, तीसरे स्थान पर है, उच्च शिक्षा के विकास के लिए कार्य करता है और उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय से संबंधित है, यह तकनीकी शिक्षा व छात्रवृत्ति आदि से संबंधित है -

वर्तमान में इसके मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' है। जो कि कैबिनेट मंत्री है।

(A) स्कूली शिक्षा विभाग व साक्षरता विभाग –

स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग देश में स्कूली शिक्षा व साक्षरता के लिए जिम्मेदार है। यह शिक्षा के सार्वभौमिकरण व भारत के युवाओं में नागरिकता के लिए उच्च मानकों के विकास के लिए काम करता है।

(B) उच्च शिक्षा विभाग –

इस विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 1956 की धारा (3) के तहत भारत के शिक्षण संस्थानों को विश्वविद्यालयों का दर्जा देने का अधिकार है।

संगठन –

यह विभाग 8 ब्यूरो में बंटा हुआ है और विभाग का अधिकांश कार्य इन ब्यूरो के तहत 100 से अधिक स्वायत्त संगठनों के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है –

विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षा –

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ICSSR)
- भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् (ICHR)
- भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद् (ICPR) जैसे परिषद्

- 38 CU (Central University) केन्द्रीय विश्वविद्यालय (15 नए, जिन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा अध्यादेश द्वारा 15 जनवरी, 2009 से स्थापित किया गया है।)
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (IIAS)
- उच्च शिक्षा का अखिल भारतीय सर्वेक्षण
- महिला व बाल विकास विभाग (AISHE)

तकनीकी शिक्षा -

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE)
- वास्तुकला परिषद् (COA)
- 4 भारतीय प्रौद्योगिकी सूचना संस्थान (इलाहाबाद, ग्वालियर, जबलपुर, कांचीपुरम्)

- 16 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT's)
- 5 भारतीय विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान संस्थान (IISER)
- 13 भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM)
- 30 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
- 2 School of Planning & Architecture (SPA)
- तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण व अनुसंधान के लिए 4 राष्ट्रीय संस्थान (NITTTR's)
- अपरेटिंगशिप / Practical Training के 4 Regional Board.

प्रशासन व भाषाएं –

- संस्कृत के क्षेत्र में तीन डीम्ड विश्वविद्यालय।
- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (RSKS) नई दिल्ली
- श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (RSV) तिरुपति
- केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
- अंग्रेजी व विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परिषद्
- राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्द्धन परिषद्

- तीन अधीनस्थ कार्यालय –
 - केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
 - वैज्ञानिक व तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
 - केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर
- दूरस्थ शिक्षा और छात्रवृत्ति –
 - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- यूनेस्को, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, पुस्तक संवर्द्धन व कॉपीराइट, शिक्षा नीति, योजना व निगरानी
- सांख्यिकी, वार्षिक योजना व CMIS
- प्रशासनिक सुधार, उत्तरपूर्वी क्षेत्र, SC/ST/OBC

इनके अलावा –

1. राष्ट्रीय शैक्षिक योजना व प्रशासन विश्वविद्यालय (NUEPA)
2. नेशनल बुक ट्रस्ट
3. राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
4. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के लिए आयोग
5. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् (NCERT)
6. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE)
7. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
8. केन्द्रीय विद्यालय संगठन (KVS)

9. नवोदय विद्यालय समिति (NVS)
10. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS)
11. केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन (CTA)
12. National Foundation for Teachers Welfare
13. एक सार्व. क्षेत्र का उपक्रम, शैक्षिक कंसल्टेड्स लि.
14. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान
15. भारत में राष्ट्रीय पिछड़ा कृषि विद्यापीठ, सोलापुर
16. संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण।
17. राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली।

उद्देश्य –

- शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति तैयार करना और यह सुनिश्चित करना कि यह पवित्र भावना से लागू हो।
- पूरे देश में शिक्षण संस्थानों की पहुँच व गुणवत्ता में सुधार सहित योजनाबद्ध विकास, उन क्षेत्रों में शामिल है। जहाँ लोगों की शिक्षा तक आसान पहुँच नहीं है।
- गरीबों, महिलाओं व अल्पसंख्यकों जैसे वंचित समूहों पर विशेष ध्यान देना।
- छात्रों को समाज के वंचित वर्गों से योग्य बनाने के लिए छात्रवृत्ति, सब्सिडी आदि के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करें।

- देश के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने के लिए यूनेस्को व विदेशी सरकारों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करने सहित शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना।

इनोवेशन सेल –

MHRD के इनोवेशन सेल (MIC) की स्थापना 2018 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) में की गई थी जो सभी प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में नवाचार, उद्यमिता व स्टार्टअप की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा दें। भारत में डॉ. अभय जेरे को पहले मुख्य नवाचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

MIC की प्रमुख पहल –

- i. स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (SIH)
- ii. इनोवेशन अचीवमेंट्स पर संस्थानों की रैंकिंग (ARIIA)
- iii. संस्थान की नवाचार परिषद् (IIC)
- iv. HEIs (NISIP) में छात्रों व संकायों के लिए राष्ट्रीय नवाचार व स्टार्ट-अप नीति
- v. नवप्रवर्तन राजदूत कार्यक्रम
- vi. नवाचार, उद्यमिता व उद्यम विकास में MBA, PGDM कार्यक्रम